

मेरी किस्मत | By Sanjay Soni

तूने मुझको अपनाया है
ये मेरी किस्मत है श्याम
हारे हुए को गले लगाना
तेरी तो आदत है श्याम

कोई मसीहा

कोई मसीहा मुझको मिला ना
पल पल मैं तो रोता रहा
मैंने अपना फ़र्ज़ निभाया
धोखा ही बस होता रहा
हाथ पकड़ के तूने संभाला
खुशी से आँख भिगोता रहा

तेरे नाम की

तेरे नाम की ज्योत सांवरे
मेरे घर भी जलने लगी
तेरी सेवा में खुशियां जो
वो परिवार को मिलने लगी
तेरी कृपा की छड़ियां पाकर
मेरी गृहस्थी पलने लगी

अब तो रोज़ ही

अब तो रोज़ ही तेरी सेवा
सबसे ज़रूरी लगती है
चोखानी संग मेरे घर में
तेरी महफ़िल सजती है
जो भी तेरे शरणागत हैं
उसकी नहीं बिगड़ती है

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a4-by-sanjay-soni/>